फेम इंडिया योजना

Pib, **(11 Dec.)**

संदर्भ

- हाल ही में फेम इंडिया योजना चरण – I (भारत में संकर एवं बिजली वाहनों का तीव्र निर्माण एवं प्रयोग) की अवधि को 31 अप्रैल, 2017 से बढ़ाकर 31 मार्च, 2019 अथवा उस समय तक बढ़ा दिया गया है जब तक FAME II की अधिसूचना निर्गत न हो जाए।
- यह योजना 1 अप्रैल, 2015 में शुरू की गई थी और इसका उद्देश्य बिजली और संकर ऊर्जा से चलने वाले वाहनों के निर्माण की तकनीक को बढ़ावा देना और उसकी सतत वृद्धि को सुनिश्चित करना था।

क्या है?

- FAME का full-form है – Faster Adoption and Manufacturing of (Hybrid & Electric Vehicles,
- यह राष्ट्रीय बिजली गतिशीलता मिशन योजना का अंग है।
- पर्यावरण के अनुकूल वाहनों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सरकार ने 2015 में भारत में FAME – INDIA योजना की शुरुआत की थी।
- फेम इंडिया योजना का लक्ष्य है कि दो पहिया, तीन पहिया, चार पहिया यात्री वाहन, हल्के वाणिज्यिक वाहन और बसों सहित सभी वाहन क्षेत्रों में बिजली के प्रयोग को प्रोत्साहित किया जाए।
- इसके लिए यह योजना सब्सिडी का लाभ प्रदान करती है।
- इस योजना के तहत संकर एवं इलेक्ट्रिक तकनीकों, जैसे – सशक्त संकर तकनीक, प्लग-इन शंकर तकनीक (plug-in hybrid) और बैटरी/बिजली तकनीक को प्रोत्साहित किया जाता है।
- इस योजना को भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा चलाया जा रहा है।
- यह योजना इन चार क्षेत्रों पर अपना ध्यान केन्द्रित करती है- तकनीकी विकास, माँग का सृजन, प्रायोगिक परियोजनाएँ एवं चार्ज करने की सुविधा।

द्वितीय चरण

- इस योजना के अंदर सार्वजनिक परिवहन में बिजली की गाड़ियों (EVs) के प्रयोग को बढ़ावा देना है और इसके लिए बाजार और माँग का सृजन करना है।
- इसके तहत वाहन परिक्षेत्र में 100% विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की अनुमति दी जायेगी।
- इस प्ररिक्षेत्र के लिए कोई नियम नहीं होंगे और निजी एवं सार्वजनिक दोनों प्रकार के निवेशक स्वचालित वाहन परिक्षेत्र में निवेश करने के लिए स्वतंत्र होंगे।
- निवेशक चाहें तो बिजली के वाहनों एवं बिजली की बसों के निर्माण में भी पैसा लगा सकते हैं।

टाइम पर्सन ऑफ द इयर 2018

द गार्डियन, (11 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका टाइम मैगजीन ने सऊदी पत्रकार जमाल खाशोगी को सम्मान देने के लिए उन्हें 2018 के 'टाइम पर्सन ऑफ द ईयर' के लिए चुना है।
- ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी व्यक्ति को मरणोपरांत टाइम मैगजीन के कवर के लिए चुना गया हो।
- पत्रिका ने यह सम्मान खाशोगी सहित चार पत्रकारों और एक

अखबार को दिया है।

- सऊदी पत्रकार जमाल खाशोगी अमेरिकी नागरिक थे। उनकी अक्तूबर 2018 में इस्तांबुल दूतावास में हत्या कर दी गई थी।

मुख्य बिंदु

- खाशोगी को सम्मान देते हुए मंगलवार को मैगजीन ने कहा कि उन्होंने सच की कीमत चुकाने वाले चार पत्रकारों और एक अखबार को सम्मान दिया है।
- खाशोगी के अलावा ये सम्मान फिलीपींस की पत्रकार मारिया रेसा, रयूटर्स के रिपोर्टर वा लोन, क्याव सोई ओ, जो इस वक्त म्यांमार की जेल में बंद हैं और कैपिटल गैजेट को दिया गया है।
- मैरिलैंड के एनापोलिस स्थित कैपिटल गैजेट का स्टाफ भी सम्मान में शामिल है। इस स्टाफ में उन पांच लोगों को भी शामिल किया गया है, जो जून में हुई गोलीबारी में मारे गए थे।
- इस सप्ताह के संस्करण के लिए चार विभिन्न मैगजीन कवर को प्रकाशित किया गया है। हर एक कवर पर सम्मान दिए गए व्यक्ति की तस्वीर है।
- टाइम पत्रिका ने इन सबको अपनी कवर स्टोरी बनाकर 'द गार्जियन्स एंड द वॉर ऑन ट्रुथ' शीर्षक के साथ प्रकाशित किया है।
- वर्ष 2016 में टाइम पर्सन ऑफ द ईयर रहे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस बार भी मुख्य दावेदार थे, लेकिन अंत में वह दूसरे स्थान पर रहे।
- वर्ष 2016 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की जांच कर रहे विशेष काउंसर रॉबर्ट मुलर तीसरे स्थान पर रहे।

टाइम मैगजीन

- टाइम मैगजीन को येल विश्वविद्यालय के छात्रों हेनरी लूस और ब्रिटोन हैडन ने शुरू किया था। इसकी पहली बिक्री मार्च 1923 में शुरू हुई थी।
- टाइम मैगजीन के विश्व में विभिन्न संस्करण प्रकाशित होते हैं। अमेरिका में इसका प्रकाशन न्यूयॉर्क में होता है।
- वर्ष 2016 में डोनाल्ड ट्रम्प टाइम पर्सन ऑफ द इयर घोषित किये गये थे।
- एशियाई संस्करण 'टाइम एशिया' हॉन्ग कॉन्ग से संचालित होता है।
- वर्ष 2017 में टाइम इंक को मेरेडिथ ने 3 बिलियन डॉलर में खरीदा था।
- टाइम मैगजीन अपने वार्षिक संस्करणों – 'पर्सन ऑफ द ईयर', 'टाइम 100', 'सबसे प्रभावशाली व्यक्ति', आदि के कारण विश्व प्रसिद्ध है।

पनडुब्बी बचाव वाहन

द हिन्दू, इकोनॉमिक टाइम्स, (12 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में भारतीय नौसेना ने देश के पहले गहन जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) को सेवा में शामिल कर लिया है।
- मुंबई और विशाखापत्तनम में स्थायी रूप से जल्द ही तैनात करने के लिए एक और ऐसे ही वाहन को हासिल किया जायेगा।
- अब तक अमेरिका, रूस, जर्मनी, फ्रांस, इंग्लैंड जैसे देशों के पास ही यह सुविधा मौजूद थी, लेकिन अब भारत भी इस श्रेणी में आ गया है।
- यह विशिष्ट पनडुब्बी बचाव क्षमता प्राप्त करने में नौसेना के केंद्रित वर्षों के प्रयासों की परिणति को दर्शाती है।
- ऐसा दूसरा वाहन भारत के लिए रवाना हो चुका है और उसे विशाखापत्तनम में नौसेना की इकाई में तैनात किया जाएगा।

विशेषताएं

- यह वाहन एक गोते में 14 लोगों को बचा सकता है।
- परीक्षणों के दौरान, डीएसआरवी 666 मीटर तक सफलतापूर्वक नीचे गया, जो भारतीय जल सीमा में 'मानव निर्मित पोत' द्वारा गहन जलमग्न के लिए एक रिकॉर्ड है।

- इन वाहनों की मद्द से मुसीबत में फंसी पनडुब्बी के चालक दल के सदस्यों को बाहर निकालने में मद्द मिलेगी।
- डीएसआरवी की उपलब्धता हमेशा रहने से हिंद महासागर में भारतीय नौसेना संकट में फंसी पनडुब्बियों के बचाव व राहत के लिये हमेशा तैयार रह सकेगी।
- इसे एक जगह से दूसरी जगह ले जाने के लिए शिप से ले जाने के साथ-साथ इसे रिमोट से भी संचालित किया जा सकता है।

गोल्डन वीजा या टियर-1 वीजा

हिन्दुस्तान टाइम्स, फाइनेंसियल एक्सप्रेस, (12 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में, ब्रिटेन की सरकार ने गोल्डन वीजा नामक वीजा देने के कार्यक्रम को रोक दिया है।
- यह ब्रिटेन की सरकार की एक योजना थी जिसके अंतर्गत अत्यंत धनी विदेशी नागरिक (भारतीय समेत) तेजी से ब्रिटेन में बसने का अधिकार प्राप्त कर सकते थे।

क्या है?

- ब्रिटेन सरकार ने 2008 में एक कार्यक्रम बनाया था, जिसके अनुसार यूरोपीय संघ के बाहर और स्विट्जरलैंड के समृद्ध लोगों का निवेश प्राप्त करने के लिए उन्हें तेजी से वीजा उपलब्ध कराया जाता है।
- ऐसे वीजा को गोल्डन वीजा अथवा टियर-1 वीजा नाम दिया गया है। इसके लिए विदेशियों द्वारा यूनाइटेड किंगडम बॉन्ड, शेयर पूँजी और कंपनियों में निवेश करना होता है।

गोल्डन वीजा के लिए शर्त

- गोल्डन वीजा उसी विदेशी व्यक्ति को मिलता है, जो ब्रिटेन में कम-से-कम 2 मिलियन पौंड का निवेश करे। ऐसे व्यक्ति पाँच साल में ब्रिटेन में स्थायी आवास के लिए आवेदन कर सकते हैं।
- यदि विदेशी व्यक्ति 5 मिलियन पौंड का निवेश कर रहा है तो वह तीन वर्ष के बाद ही स्थाई आवास के लिए आवेदन कर सकता है।
- यदि विदेशी व्यक्ति 10 मिलियन पौंड का निवेश कर रहा है तो दो वर्ष के बाद ही स्थाई आवास के लिए आवेदन कर सकता है।
- ये सभी व्यक्ति आवेदन देने के पश्चात् सिद्धांत रूप में नागरिकता के लिए आवेदन देने के पात्र हो जाते हैं।

इसकी आलोचना क्यों?

- गोल्डन वीजा कार्यक्रम के कारण ब्रिटेन में पिछले 10 वर्षों से अधिक के समय में करोड़ों पौंड और साथ ही विश्व-भर के कई समृद्ध लोग आ चुके हैं। लेकिन इस कार्यक्रम की कुछ लोग आलोचना करते रहे हैं।
- उनका कहना है कि यह कार्यक्रम भ्रष्टाचार को बढ़ावा देता है क्योंकि निवेश में जो पैसा आता है वह काली कमाई का हिस्सा होता है।
- इसके अतिरिक्त एक सर्वेक्षण से पता चला कि इस कार्यक्रम से होने वाला आर्थिक लाभ सीमित ही है क्योंकि अधिकांश निवेशकों ने गिल्ट नामक तय ब्याज वाले ऋण बॉन्ड में ही पैसा लगाया।
- इसका अभिप्राय यह हुआ कि वे लोग वस्तुतः सरकार को ऋण दे रहे हैं न कि देश में निवेश कर रहे हैं।

यूनिसेफ रिपोर्ट

द हिन्दू, (12 Dec.)

संदर्भ

- हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और संयुक्त राष्ट्र बाल निधि (यूनिसेफ) सहित वैश्विक गठबंधन ने एक नई रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार समयपूर्व पैदा हुए लगभग तीन करोड़ बच्चे मौत की कगार पर हैं।
- इन बच्चों को जीवित रखने के लिए विशेष देखभाल की आवश्यकता है।
- यह रिपोर्ट 'जीवित रहें और बढ़ें: हर छोटे एवं बीमार नवजात शिशु देखभाल में सुधार' नाम से प्रकाशित की गई है। समय से पूर्व पैदा होने वाले बच्चों में कई प्रकार की समस्याएं देखने को मिलती हैं।
- इनमें ज्यादातर समस्याएं प्रसव के दौरान बच्चों की देखभाल करने

की होती है।

- यूनिसेफ के उप कार्यकारी निदेशक उमर अब्दी ने कहा, 'जब बच्चों और उनकी मां की बात आती है तो सही जगह पर सही समय पर सही देखभाल ही फर्क ला सकती है।
- लाखों छोटे एवं बीमार बच्चे और महिलाएं प्रत्येक वर्ष मर रही हैं क्योंकि उन्हें गुणवत्तापूर्ण देखभाल की सुविधा नहीं मिलती है, जो उनका अधिकार है और यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।'

रिपोर्ट का सुझाव

- यूनिसेफ द्वारा जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि नवजात शिशुओं को सही गुणवत्ता की देखभाल मिले तो प्रत्येक वर्ष लगभग 1.7 मिलियन शिशुओं को बचाया जा सकता है।
- यूनिसेफ का मानना है कि यदि नवजात बच्चों को उचित देखभाल मिले तो 2030 तक 68% बच्चों को मृत्यु से बचाया जा सकता है।
- यदि मां और बच्चे को जन्म लेने वाले स्थल पर ही सही देखभाल दी जा सके तो 81 देशों में 2.9 मिलियन महिलाओं की जान बचाई जा सकती है।

मुख्य बिंदु

- समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों में मस्तिष्क की समस्या रहती है, गंभीर जीवाणु संक्रमण या पीलिया जैसे गंभीर बीमारी के कारण मौत तथा अक्षमता का खतरा रहता है।
- इसके अलावा उनके परिवारों पर वित्तीय और मनोवैज्ञानिक दबाव उनके ज्ञान, भाषा और भावनात्मक विकास को प्रभावित कर सकता है।
- समय से पूर्व जन्म लेने वाले जो बच्चे जरुरत से ज्यादा पतले या वजन में कम होते हैं, उनमें मृत्यु या विकलांगता का खतरा अधिक रहता है।
- वर्ष 2017 में लगभग 2.5 मिलियन नवजात शिशु जन्म लेने के 28 दिनों में ही मृत्यु को प्राप्त हो गये।
- इन 2.5 मिलियन बच्चों में से 80% बच्चे कम वजन के थे जबकि दो तिहाई बच्चे जन्म से पहले पैदा हुए।
- इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ष एक मिलियन बच्चे आकार में सामान्य की तुलना में छोटे और बीमार पैदा होते हैं जिनमें लंबे समय तक विकलांगता, सेरेब्रल पाल्सी जैसी समस्याएँ देखने को मिलती हैं।

GS World
Committed To Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. हाल ही में चर्चा में ही 'टाइम मैगनीज' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) टाइम मैगनीज को येल विश्वविद्यालय के छात्रों हेनरी लूस और ब्रिटोन हैडन ने शुरु किया था।
   (ii) इसका एशियाई संस्करण 'टाइम एशिया' सिंगापुर से संचालित होता है।
   (iii) टाइम मैगजीन ने सऊदी पत्रकार जमाल खाशोगी को 'टाइम पर्सन ऑफ द ईथर', 2018 के लिए चुना है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) (i) और (iii) (b) केवल (iii)
   (c) (ii) व (iii) (d) (i), (ii) और (iii)
2. हाल ही में चर्चा में रही 'फेम (FAME) इंडिया' योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) इस योजना के तहत सार्वजनिक परिवहन में बिजली की गाड़ियों (EVs) के प्रयोग को बढ़ावा देना है।
   (ii) यह योजना भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा चलायी जा रही है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन असत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
3. हाल ही में चर्चा में रहे भारत के 'पनडुब्बी बचाव वाहन' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) यह भारत का पहला गहन जलमग्न बचाव वाहन (डीएसआरवी) है।
   (ii) आईएनएस करंज स्कॉर्पियन श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी है, जिसमें ऑक्सीजन बनाने की क्षमता विकसित की गयी है।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
4. हाल ही में ब्रिटेन सरकार ने गोल्डन वीजा या टियर-I वीजा देने के कार्यक्रम पर रोक लगा दी है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) इस वीजा के आवेदन हेतु विदेशियों द्वारा यूनाइटेड किंगडम, बांड, शेयर पूँजी और कंपनियों में निवेश करना होता है।
   (ii) ब्रिटेन सरकार की इस योजना के अंतर्गत धनी विदेशी नागरिक तेजी से ब्रिटेन में बसने का अधिकार प्राप्त कर सकते थे।
   उपर्युक्त में से में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)
5. हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और यूनिसेफ सहित वैश्विक गठबंधन ने नवजात शिशुओं की देखभाल में सुधार हेतु रिपोर्ट जारी की है। इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-
   (i) इस रिपोर्ट के अनुसार, समय से पूर्व जन्म लेने वाले बच्चों में मस्तिष्क की समस्या, गंभीर जीवाणु संक्रमण तथा अक्षमता का खतरा रहता है।
   (ii) वर्ष 1953 में यूनिसेफ (UNICEF) का नाम 'यूनाइटेड नेशन्स चिल्ड्रेंस फंड' की जगह 'यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस फंड' कर दिया गया।
   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल (i) (b) केवल (ii)
   (c) (i) और (ii) दोनों (d) न तो (i) और न ही (ii)

नोट : 8-10 दिसंबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d), 2(b), 3(d), 4(b), 5(b), 6(c), 7(c), 8(d) होगा।

Committed To Excellence